विश्व न्याय मन्दिर

मशरिकुल–अजकार की अवधारणा तथा इसके द्वारा उपासना एवं सेवा को मूर्तरूप देने के संबंध में विश्व भर में बहाईयों ने बहुत कुछ सीखा है। रचनात्मक युग के छठे कालखंड के दौरान, उस मार्ग के बारे में और भी बहुत कुछ सीखा जाएगा जो कि एक समुदाय के फलते–फूलते भक्तिमय जीवन के भीतर विकास से प्रारंभ हो – और सेवा को प्रेरणा देता हुआ – मशरिकुल–अजकार के प्रकट होने तक जाता है।

–रिज़वान 2022

मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO
Delhi on 10/11.02. 2023

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 59 अंक 02 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख

फरवरी 2023 बहाई वर्ष : 179

बराऊ गांव में बाल एवं किशोर मेला

उत्तर प्रदेश के बराऊ गांव में बाल एवं किशोर मेले का आयोजन 8 जनवरी, 2023 को किया गया। इस मेले में लगभग 350 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान भी शामिल हुए, उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेले की शुरूआत प्रार्थनाओं के साथ हुई। एक अनुप्रेरक द्वारा प्रार्थना का उद्देश्य बताया गया। एक अभिभावक ने बहाई सिद्धांत, किशोरों और बच्चों में हो रहे परिवर्तन के बारे में बताया। उन्होंने उदाहरण के लिए अब्दुल–बहा की कहानी सुनाई कि किस प्रकार माता–पिता बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए उत्तरदायी होते हैं।

बराऊ गांव के किशोरों और किशोरियों ने नृत्य, गीत, नाटिका और हस्तशिल्प द्वारा बनाई गई वस्तुओं को भी प्रस्तुत किया। सुखलालपुर की शिक्षिका ने बताया कि इन शिक्षाओं के माध्यम से बच्चों व किशोरों में रूपांतरण हो रहा है। उन्होंने बताया कि बच्चे कोरे कागज के समान होते हैं उन्हें कैसे गढ़ना है ये दायित्व हमारा है।

जड़कडू के किशोरों द्वारा कुछ हस्तशिल्प के माध्यम से तैयार पंखे, कूलर और अन्य वस्तुओं को दर्शाया गया। जड़कडू के किशोरों द्वारा 'मरीज की सहायता' और 'बूढ़ी औरत की सहायता' विषय पर नाटक प्रस्तुत किए गए। इस दौरान उपस्थित लोगों को किशोर और बाल मेले के उद्देश्य के बारे में बताया गया। किशोरों व बच्चों के अंदर सारी क्षमताएं होती हैं केवल उन क्षमताओं को उजागर करने की आवश्यकता होती है। साथ ही, यह भी बताया कि हमें बच्चों और किशोरों को भौतिक और आध्यात्मिक दोनों ज्ञान देना अत्यन्त आवश्यक है।

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए एन–टेक कंप्यूटर सेंटर के निदेशक ने अपने वक्तव्य में कहा कि भौतिक और आध्यात्मिकता का संतुलन, विज्ञान और धर्म का सामंजस्य किया जाए तभी हम परिवर्तन की ओर बढ़ सकते हैं। इस कार्यक्रम में उपस्थित मित्रों को बहाई मूल–गतिविधियों के विषय में बताया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी मित्रों ने अपना–अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया। अंत में मुख्य अतिथि के द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किए गए।



बराऊ में आयोजित बाल एवं किशोर मेले के दौरान मित्रगण

इस अंक में

- बराऊ गांव में बाल एवं किशोर मेला 1
- बिहार में आयोजित गतिविधियाँ 1
- पंजाब में आयोजित गतिविधियों की झलक 2
- मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ 2
- दिसम्बर 2022 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े 3
- निफाड में कोष सम्मेलन 3
- जमशेदपुर में त्रैमासिक संयोजक एवं सहयोगी बैठक का आयोजन 4

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

• सामाजिक क्रिया की तैयारी कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने और नियमित आगे ले जाने के उद्देश्य से 4 से 8 जनवरी, 2023 तक बहाई भवन, पटना में 'सामाजिक क्रिया की तैयारी' से संबद्ध सहशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार के अग्रणी समुदाय हथवन से 2, कोठियॉ से 2 एवं पटना से 1 सहशिक्षक ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कर ज्ञान का संवर्द्धन किया। प्रशिक्षण को गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहशिक्षक का विशेष योगदान रहा।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

उक्त प्रशिक्षण छोटे खेतों पर खाद्य उत्पादन पुस्तक की पहली इकाई 'फसल रोपन' जो कई तकनीक के मुद्दों पर केन्द्रित है, वास्तविक जीवन में लागू करने में काफी मददगार रहा है। मानवजाति के जीवन में कृषि की केन्द्रीय भूमिका के कारण इसकी प्रक्रियाएँ और गतिविधियाँ नवयुवकों को उन सामर्थ्यों का विकास करने में मदद करती हैं, जो तकनीक के चयन करने, प्रयोग करने एवं विकास करने में भागीदारी निभाने के लिए जरूरी हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने कई अवधारणाओं से संबंधित एक नई अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का प्रयास किया, जिसमें शामिल हैं– उच्च उपज के साथ साल–दर–साल उत्पादन करने के कार्य से संबंधित विभिन्न सामर्थ्यों को बढ़ाना, चुनी हुई उपयुक्त सूचनाओं को प्रस्तुत करना, संबंधित क्षमताओं व कुशलताओं के एक समुच्चय को मजबूत करना, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान तथा तकनीक के मध्य विचार–विमर्श से नये ज्ञान तैयार करना, साथ–ही–साथ मनोवृत्तियों तथा आध्यात्मिक गुणों को भी मजबूत करना। इसके अतिरिक्त जैविक खाद (कम्पोस्ट, हरी खाद व खाद चाय) बनाना, खेत तैयार करना, नगर वाटिका बनाना तथा जैविक बीज तैयार करना आदि शामिल हैं।

अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों को फतुहा उपक्षेत्र के कोठियॉ समुदाय में भ्रमण करने का अवसर प्राप्त हुआ जहाँ इन प्रतिभागियों ने किसान के समूहों के साथ उनकी परिस्थिति के अनुसार कुछ विशेष प्रश्नों के साथ वार्तालाप किया तथा किसानों द्वारा अपनाये गये अभ्यासों पर शोध करने का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त उक्त अवधारणाओं की अच्छी समझ प्राप्त करने हेतु विभिन्न प्रत्यक्ष कार्य का भी उपयोग किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुछ आध्यात्मिक अवधारणाएँ जैसे– चीजों के निहितार्थ समग्रता में सोचना, वास्तविकता की पहचान करना, सच्ची मित्रता स्थापित करना, सहयोग और पारस्परिक सहायता के गुण विकसित करना तथा परामर्श

शेष पृष्ठ 4 पर

पंजाब में आयोजित गतिविधियों की झलक

• चंडीगढ़ की स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने मानवता को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आध्यात्मिक सिद्धांतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'विश्व धर्म दिवस' के अवसर पर 15 जनवरी, 2023 को बहाई भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग सत्तर प्रतिभागी शामिल हुए, इसमें विभिन्न धर्म के प्रतिनिधियों को 'विश्व धर्म दिवस' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से हुई।

मानवीय मूल्यों के बारे में बात करते हुए रामकृष्ण मिशन के स्वामी अनुपमानंद ने विविधता में एकता की बात की। उन्होंने एक नदी का उदाहरण साझा किया कि कैसे यह विभिन्न स्रोतों से बहती है और एक स्थान पर विलीन हो जाती है।

ब्रह्मा कुमारी सुश्री नेहा ने साझा किया कि हमें अपने जीवन में धर्म की शिक्षा का पालन कैसे करना चाहिए और आगे उन्होंने कहा कि हमें अपने आप में शांति खोजने की जरूरत है लेकिन मानवजाति भौतिकवाद और अन्य वस्तुओं में शांति की तलाश कर रही है, धर्म में नहीं।

गौड़ीय मठ से स्वाति महाराज ने प्रसन्नता की बात की। उन्होंने एक नाविक की कहानी साझा की जो तैरना जानता है और समझाया कि हमें कम से कम सभी धर्मों की शिक्षाओं का पालन करना चाहिए।

मौलवी इमराम ने प्रेम की बात करते हुए कहा कि हम इसी प्रेम से उत्पन्न हुए हैं और हमें अपने शरीर के अंगों की तरह एक होकर रहना चाहिए।

सिख धर्म के प्रतिनिधि रवनीत ने कहा कि हमें सभी धर्मों की सच्ची भावना को देखना चाहिए, सभी धर्म एक ही बात सिखाते हैं और हम एक ही मिट्टी द्वारा बनाए गए हैं।

ईसाई धर्म के पादरी ने सेवा परियोजनाओं में शामिल बहाई युवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि भारतीय राष्ट्र में युवाओं की एक बड़ी आबादी है जो कुल जनसंख्या का पैंसठ प्रतिशत है जिसे एक सभ्य समाज के निर्माण की दिशा में मजबूत करने की आवश्यकता है।

बहाई प्रतिनिधि ने ईश्वर के प्रेम के बारे में बात की और विश्व धार्मिक नेताओं को संबोधित किए गए विश्व न्याय मन्दिर के संदेश से कुछ अनुच्छेद साझा किए।

चंडीगढ़ के युवाओं ने गीत प्रस्तुत किए और कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार दिया गया।

• क्षेत्रीय बहाई परिषद ने क्लस्टर विकास समिति के सदस्यों के लिए एक सभा का आयोजन किया, इसमें चंडीगढ़ और गुरुग्राम की क्लस्टर विकास समिति ने भाग लिया। इसमें परिषद के सदस्यों और सहायक मण्डल सदस्यों ने भी भाग लिया।



क्लस्टर विकास समिति के लिए आयोजित बैठक के प्रतिभागी

क्लस्टर विकास समिति के कामकाज से संबंधित दस्तावेज का अध्ययन करते हुए, सदस्यों ने अपने स्वयं के क्लस्टर से उभरे अनुभवों को सह–संबंधित किया और आगे उन्होंने समझा कि क्लस्टर विकास समिति कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। निम्नलिखित बिंदुओं पर भी चर्चा की गई।

किसी भी क्षमता पर सेवा करते समय हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए, हमें ईश्वर पर पूरा भरोसा रखना चाहिए, उनके मार्गदर्शन और पुष्टि की प्रार्थना करनी चाहिए।

क्लस्टर विकास समिति के पास एक दृष्टिकोण होना चाहिए जिसकी बार–बार समीक्षा और विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है।

एक सुनियोजित समीक्षा बैठक होना कितना महत्वपूर्ण है जो शिक्षण, दृढ़ीकरण और मानव संसाधन विकास गतिविधियों की ओर ले जाती है।

वाद्य यंत्रों आदि के माध्यम से भक्तिपरक बैठकों को और रोचक बनाने पर बल दिया।

समुदायों में घर–घर जाने की व्यवस्था करें और घरों में चर्चा के लिए सार्थक बातचीत भी तैयार करें।

शेष पृष्ठ 3 पर

मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

• मध्य प्रदेश के बानमोर समुदाय में बहाई शिक्षकगण जो कि निजी विद्यालय, सामुदायिक विद्यालय तथा कोचिंग सेंटरों का संचालन करते हैं, वे आपस में तालमेल बनाकर रखें, इसके लिए एक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन की योजना दिल्ली में सम्पन्न हुए सहायक मण्डल सदस्यों के सम्मेलन के दौरान सलाहकार महोदया के मार्गदर्शन में बनाई गई थी।

दिसम्बर माह में यह योजना राज्य बहाई परिषद के सचिव और प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के साथ साझा की गई और फिर व्यवस्थित तरीके से समुदाय स्तर पर सबरीजन टीम और समुदाय की एजेंसियों के साथ परामर्श हुआ जैसे संयोजक गण, क्लस्टर विकास संयोजक और साथ ही, उस क्षेत्र की दोनों स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं को भी इस सम्मेलन की योजना की पूरी जानकारी दी गई। फिर संयुक्त परामर्श से इसकी तैयारियाँ शुरु की गईं। शिक्षक सम्मेलन में पूरे क्षेत्र से सिर्फ 22 शिक्षकगण ही शामिल हो सके। कुछ शिक्षकों की अपनी–अपनी योजनाएँ व व्यस्तताएँ थीं इस कारण से वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। ऐसे कई सारे विषय रहे जिनसे अगली बार के कार्यक्रमों के आयोजन हेतु एक सीख मिली जिनको ध्यान में रखा जायेगा कि आगे के सम्मेलन किस प्रकार बेहतर कर सकते हैं, परन्तु जितने शिक्षकों के साथ यह सम्मेलन आयोजित हुआ बहुत ही प्रभावकारी रहा। मित्रों ने खुल कर परामर्श प्रक्रिया में भाग लिया, समुदाय की चुनौतियों पर भी एक–दूसरे ने अपने विचारों को स्पष्ट रूप से साझा किया और देखा कि कैसे ये चुनौतियाँ शिक्षा और शिक्षक से संबन्धित हैं। जो अध्ययन सामग्री इस सम्मेलन में उपयोग की गई वह काफी लाभप्रद थी। भविष्य में इस प्रकार के सम्मेलन काफी प्रभावकारी रहे इसके लिए पूरा प्रयास किया जायेगा।



बानमोर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले शिक्षकगण

• भोपाल सबरीजन के पड़ोसी क्लस्टर बैरसिया समुदाय में प्रशिक्षण संस्थान मण्डल ने अपने 7 दिवसीय सघन शिक्षण कार्यक्रम में बैरसिया क्लस्टर के ग्राम तारासेवनिया और पिपरिया छपरबंद में शिक्षण कर गतिविधियाँ स्थापित कीं, जिसमें इन दोनों गांव में 2 अध्ययनवृत्त कक्षा प्रारम्भ कर 22 युवाओं ने संस्थान की पहली पुस्तक 'दिव्य जीवन एक चिन्तन' का अध्ययन पूरा किया। पिपरिया गांव में 10 युवाओं के साथ ही अभी 'पुस्तक–3 बच्चों की कक्षाओं' की शुरूआत की गयी। साथ ही, इन्हीं युवाओं के माध्यम से गांव में 3 बच्चों की 'बहाई बाल नैतिक कक्षा' और दो 'किशोर समूह' प्रारम्भ हुए। गांव में दस्तक देते ही चारों तरफ बच्चों के अभिवादन की मधुर गूंज अंतिम छोर तक सुनाई देती है और पहुंचते ही गांव के सभी बच्चे और किशोर एकत्रित हो जाते हैं। इस छोटे से कार्यक्रम को देखकर अभिभावकगण काफी प्रसन्न हैं कि गांव में एक उन्नत समुदाय के निर्माण कार्य में एक छोटी शुरूआत हुई है।



बैरसिया समुदाय में बच्चों की कक्षा का संचालन करते हुए

दिसम्बर 2022 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े

क्षेत्रीय/राज्य बहाई परिषद	भक्तिपरक बैठकों की संख्या	भक्तिपरक बैठकों में उपस्थिति	बच्चों की बहाई कक्षाओं की संख्या	बच्चों की बहाई कक्षाओं में उपस्थिति	किशोर समूहों की संख्या	किशोर समूहों में उपस्थिति	स्टडी सर्कल की संख्या	स्टडी सर्कल में उपस्थिति	कुल मूल गतिविधियां	मूल गतिविधियों में कुल उपस्थिति
आंध्र प्रदेश+	502	1770	63	394	32	210	20	67	617	2,441
असम+	1514	5022	107	665	46	276	24	117	1,691	6,080
बिहार	17604	120578	1620	14541	1226	10342	482	3864	20,932	1,49,325
छत्तीसगढ़	732	4348	9	73	5	26	3	20	749	4,467
गुजरात	1344	3769	86	716	63	451	56	434	1,549	5,370
झारखण्ड	4249	22396	316	2406	198	1257	103	779	4,866	26,838
कर्नाटक	129	404	18	135	19	106	21	74	187	719
केरल	564	2254	29	199	21	90	9	33	623	2,576
मध्य प्रदेश	538	3767	92	1093	82	751	43	286	755	5,897
महाराष्ट्र+	21561	97634	758	7770	635	5748	132	1025	23,086	1,12,177
मणिपुर+	383	1385	37	282	22	152	29	113	471	1,932
ओडिशा	2933	11834	160	1088	109	640	66	245	3,268	13,807
पंजाब+	1581	7622	77	609	79	647	24	116	1,761	8,994
राजस्थान	830	4485	137	1249	79	524	33	183	1,079	6,441
सिक्किम+	993	3077	112	588	70	466	59	300	1,234	4,431
तमिलनाडु+	11434	42731	558	4586	422	2937	525	2209	12,939	52,463
त्रिपुरा	3169	14660	189	1354	123	713	153	513	3,634	17,240
उत्तर प्रदेश+	106226	683148	6805	42217	4103	30010	2228	18722	1,19,362	7,74,097
पश्चिम बंगाल	31123	166546	2741	19165	1942	12691	1139	7612	36,945	2,06,014
कुल	2,07,409	11,97,430	13,914	99,130	9,276	68,037	5,149	36,712	2,35,748	14,01,309

निफाड में कोष सम्मेलन

महाराष्ट्र के निफाड़ क्लस्टर में 300 से अधिक बहाई मित्र हैं। यह क्लस्टर अभी फिलहाल 9 गांवों के साथ कार्य कर रहा है और उसमें दो स्थानीय आध्यत्मिक सभाएं लाखलगांव और सय्यद पिम्परी भी हैं। निफाड क्लस्टर में मित्रों को कोष के बारे में शिक्षित करने के लिए 18 जनवरी, 2023 को कोष सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में स्थानीय सभा, समुदाय विकास के सदस्य, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष के सहायक तथा सहायक मंडल सदस्य के सहायकों द्वारा समुदाय को आमंत्रित किया गया और कोष के विषय में शिक्षित लिए प्रेरणादायक था। एक महिला जो बीमार थी उसकी इच्छा थी कि वह कोष में दान दे परन्तु उसके पास पैसे नहीं थे। मित्रों द्वारा कोष के विषय में परामर्श करने के बाद उस महिला ने एक पायली लगभग 7 किलोग्राम चावल देने की प्रतिज्ञा की और उन्होंने मित्रों से विनती की कि आप मेरे घर आकर चावल को लेने में मदद करें। मित्रों ने वह चावल लाकर स्थानीय आध्यात्मिक सभा को सौंपे और सभा ने सभी दानकर्ताओं को रसीद दी।

क्षेत्रीय कोष में 25 मित्र अपना योगदान दे रहे हैं। इस चक्र में योजना है कि स्थानीय कोष में



निफाड में आयोजित कोष सम्मेलन का दृश्य

किया गया। इस सम्मेलन में 10 परिवारों के समूह उपस्थित थे। स्थानीय कोष के लिए 22 मित्रों ने अपना प्रतिज्ञापत्र दिया और सभी ने इस माह अपना कोष दिया और इन्हीं मित्रों में से 8 ने क्षेत्रीय कोष दिया। एक अनुभव सभी मित्रों के लाखलगाव सभा के सभी 104 मित्र दान देंगे तथा क्षेत्रीय कोष में 25 और नए मित्र शामिल होंगे। इस तरह 50 मित्र क्षेत्रीय कोष में दान देंगे। इस सम्मलेन में क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष टीम के सदस्य भी मौजूद थे।

पंजाब में आयोजित गतिविधियों की झलक

पृष्ठ 2 का शेष

नियमित भक्तिपरक बैठकें, गृह भ्रमणों से संबंधित आंकड़ों को बनाए रखना और अद्यतन करना।

हमारी चुनौतियाँ और उन चुनौतियों का कैसे सामना किया जाए, इस पर चर्चा हुई।

शाम को परिषद के सदस्यों, क्लस्टर विकास समितियों और सहायक मण्डल सदस्यों को सीआईए का दौरा करने के लिए निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करने के लिए टीमों में विभाजित किया गया, जैसे फंड में योगदान, प्रतिनिधियों के चुनाव और सामुदायिक सभा पर अनुयायियों की शिक्षा। यात्रा की समीक्षा करते हुए यह बताया गया कि टीमें लगभग सत्तर लोगों तक पहुँचने में सक्षम थीं और बहाई मित्रों के साथ अच्छी बातचीत हुई।

• राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर 24 दिसंबर 2022 को उपभोक्ता अधिकार और शक्ति के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पंचकूला में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, इसके अलावा पंचकूला के मेयर जैसे शहर के प्रमुख लोग भी उपस्थित थे। यह पंचकूला की सभा की एक पहल थी और विशेष रूप से डॉ. मैनल ग्रोवर, जो खुद भी इस संघ के सदस्य थे, ने कई बार प्रमुख अतिथियों और मित्रों को बहाई समुदाय से परिचित कराने का प्रयास किया। चंडीगढ़ समुदाय के बहाई बच्चों ने एकता विषय पर नृत्य और गीत प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष को बहाई परिचयात्मक पुस्तकों का एक सेट और बहाई उपासना मन्दिर का एक फोटो फ्रेम भेंट किया गया। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए।



राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कार्यक्रम में बच्चों को पुरस्कार प्रदान करते हुए

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Delhi P.S.O. | Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

जमशेदपुर में त्रैमासिक संयोजक एवं सहयोगी बैठक का आयोजन

झारखण्ड में जमशेदपुर स्थित बहाई भवन में त्रैमासिक क्लस्टर राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी बैठक का आयोजन झारखण्ड के प्रशिक्षण संस्थान के मार्गदर्शन में 7 से 12 जनवरी 2023 तक किया गया। इस बैठक में राज्य के 7 क्लस्टरों से लगभग 45 मित्रों ने भाग लिया, जिसमें क्लस्टर एवं राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी, परिषद एवं प्रशिक्षण संस्थान के सदस्य, सहायक मण्डल एक जगह एकत्रित होकर अपने समूह की सीखों को एक–दूसरे के साथ साझा किया। इसके उपरान्त आगामी चक्र की योजना हेतु कुछ योजना से सम्बंधित बिंदुओं को प्रशिक्षण संस्थान द्वारा साझा किया गया। तदुपरांत सभी मित्रगण अपने–अपने क्लस्टरों के स्तर पर योजना बनाने लगे और सभी राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगियों ने उनकी योजना बनाने में मदद की।



जमशेदपुर में आयोजित त्रैमासिक संयोजक एवं सहयोगी बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

सदस्य इत्यादि मित्रगण शामिल हुए। बैठक का प्रथम दिन विश्व न्याय मंदिर के 30 दिसम्बर 2021 के परिपत्र के अध्ययन के साथ शुरू हुआ और अध्ययन के साथ–साथ पिछले चक्र की समीक्षा संख्यात्मक एवं उपलब्धि तथा चुनौतियों के आधार पर भी की गई।

दिसंबर 2022 तक झारखण्ड में कुल 4868 गतिविधियाँ संचालित की जा रही थीं, जिसमें अध्ययनवृत समूह 103, बहाई बाल समूह 316, किशोर समूह 198, प्रार्थना सभा 4249 शामिल हैं, जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी की संख्या क्रमशः 779, 2406, 1257, 22396 है। अध्ययन के उपरांत सभी दलों ने

तीसरे दिन प्रार्थनाओं के बाद सभी क्लस्टरों के स्तरों पर योजनाओं की प्रस्तुति की गयी। सभी मित्रों ने अपनी योजना में योजना के तत्व जैसे कि प्रारंभिक संवर्ग के सहशिक्षक को तैयार करना, शिक्षक, अनुप्रेरक तथा ट्यूटर बैठक, सामुदायिक बैठक, ग्रेड तथा किशोर पुस्तकों का नियमित विकास, भक्तिपरक पारिवारिक समूह की योजना, क्लस्टर विकास समितियों की बैठक, उच्च स्तरीय रूही पुस्तकों का अध्ययन तथा उनके सहशिक्षक तैयार करना इत्यादि बिंदुओं को शामिल किया। इस तीन दिवसीय बैठक में कला एवं संस्कृति की भी प्रस्तुति की गई।

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

जैसे गुणों व अभिवृतियों को विकसित करने का अवसर प्रदान किया गया।

• पटना स्थित बहाई भवन में 16 से 20 जनवरी, 2023 तक राज्य के स्तर पर उपक्षेत्रीय संयोजकों व विकास सहयोगियों की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में कुल 9 उपक्षेत्र के उपक्षेत्रीय किया गया, जिसमें महाद्वीपीय सलाहकार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही, उन्होंने कहा कि–शैक्षणिक विषय–वस्तु का उद्देश्य है कि प्रत्येक बच्चे, किशोर एवं युवा के अन्दर आध्यात्मिक ज्ञान का विकास हो ताकि वे सभी बेहतर समाज के निर्माण में अपना योगदान दे सकें।



संयोजकों और विकास सहयोगी की बैठक में शामिल होने वाले मित्रगण

संयोजकगण एवं विकास सहयोगीगण, सहायक मंडल सदस्यगण, प्रशिक्षण संस्थान मंडल एवं परिषद सदस्यगण के साथ–साथ विशेष रूप से महाद्वीपीय सलाहकार भी उपस्थित थे। बैठक में गतिविधि के अनुसार गत तीन माह की समीक्षा तथा आधे दिन के बाद रूही पुस्तक–11 'भौतिक साधन' का अध्ययन तीन दिनों तक किया गया।

बैठक के दौरान 30 दिसम्बर 2021 के चयनित अंश एवं 1 नवम्बर 2022 के परिपत्रों का भी अध्ययन

इस बैठक में स्थानीय उपासना गृह, बिहारशरीफ, समुदाय संपर्क दल के एक सदस्य उपस्थित थे और उन्होंने मित्रों को सेवा और उपासना के प्रति जागरूक किया। राज्य बहाई परिषद सचिव ने प्रतिनिधि चुनाव से संबद्ध पहलुओं एवं आध्यात्मिक चुनाव के बारे में मित्रों को अवगत कराते हुए पर्यवेक्षकों को उनकी जिम्मेदारी भी सौंपी। अन्त में सधन्यवाद ज्ञापन व प्रार्थना के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया गया।

निवेदन

प्रिय मित्रों,

अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

कुल पृष्ठ संख्या–4 — बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.02.2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)